

उत्तरांचल शासन
कार्यालय मुख्य महाप्रबन्धक
उत्तरांचल जल संस्थान, देहरादून

09 अक्टूबर, 2003 ई०

संख्या 2963-उत्तरांचल (उ०प्र० जल संभरण एवं सीवरेज व्यवस्था अधिनियम, 1975) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2002 की धारा 97 की उपधारा (1) तथा (2) के खण्ड (ग) के अधीन परिषद्, राज्य सरकार की पूर्वानुमति से निम्नलिखित विनियम बनाए जाते हैं:-

उत्तरांचल जल संस्थान (उत्तरांचल लोक सेवा आयोग के क्षेत्र के बाहर)
(समूह "ग" के पदों पर) दैनिक वेतन नियुक्तियों का विनियमितीकरण
विनियम, 2003

1. (1) यह विनियम "उत्तरांचल जल संस्थान (उत्तरांचल लोक सेवा आयोग के क्षेत्र के बाहर) (समूह "ग" के पदों पर) दैनिक वेतन नियुक्तियों का विनियमितीकरण विनियम, 2003" कहा जायेगा।
(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।
2. किसी अन्य नियम या आदेश में निहित किसी प्रतिकूल बात के होते हुए भी यह विनियम प्रभावी होंगे।
3. जब तक कि विषय या संदर्भ में कोई प्रतिकूल बात न हो-
(क) समूह "ग" के किसी पद के संबंध में "नियुक्ति प्राधिकारी" का तात्पर्य ऐसे पदों पर नियुक्ति करने के लिए संगत सेवा विनियम के अधीन सशक्त नियुक्ति प्राधिकारी से है;
(ख) "जल संस्थान" का तात्पर्य उत्तरांचल जल संस्थान से है;
(ग) "मुख्य महाप्रबन्धक" का तात्पर्य उत्तरांचल जल संस्थान के मुख्य महाप्रबन्धक से है;
(घ) "महाप्रबन्धक" का तात्पर्य गढ़वाल/कुमाऊँ परिक्षेत्र के महाप्रबन्धक से है;
(च) "सचिव (प्रशासन)" का तात्पर्य सचिव (प्रशासन) उत्तरांचल जल संस्थान से है।
4. (1) किसी व्यक्ति को-
(क) जो गढ़वाल/कुमाऊँ जल संस्थान के अन्तर्गत 29 जून, 1991 से पूर्व समूह "ग" के पद पर दैनिक वेतन के आधार पर रीच्ये नियुक्त किया गया हो और इस विनियम के प्रारम्भ के दिनांक को उस रूप में निरन्तर सौदागत हो, और
(ख) जो ऐसी दैनिक वेतन के आधार पर नियुक्ति के समय उस पर नियमित नियुक्ति के लिए संगत सेवा विनियम में विहित अपेक्षित अर्हताएं रखता हो, उत्तरांचल जल संस्थान गठन के अन्तर्गत समूह "ग" के पदों पर केवल किसी स्थायी या अस्थायी रिक्ति में जो इस विनियम के प्रारम्भ के दिनांक को उपलब्ध हो, नियमित नियुक्ति के लिए ऐसी रिक्ति में संगत सेवा नियमों या आदेशों के अनुसार कोई नियमित नियुक्ति करने के पूर्व, उसके अभिलेख और उपयुक्तता के आधार पर विचार किया जायेगा।
(2) इस विनियम के अधीन नियमित नियुक्तियों करने में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन-जातियों, अन्य पिछड़े वर्गों और अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण इस विनियम के अधीन विनियमितीकरण के समय प्रवृत्त सरकार के आदेशों के अनुसार होगा।
(3) उपनियम (1) के प्रयोजनार्थ नियुक्ति प्राधिकारी/मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संस्थान इस विनियम के संगत उपबन्धों के अनुसार एक राज्य स्तरीय चयन समिति का गठन करेगा।
(4) नियुक्ति प्राधिकारी उपनियम (1) के उपबन्धों को ध्यान में रखते हुए, अभ्यर्थियों की एक पात्रता सूची उस ज्योष्ठता क्रम में तैयार करेगा, जैसा कि दैनिक वेतन के आधार पर नियुक्ति के आदेश के दिनांक के अनुसार अवधारित हो और यदि दो या अधिक व्यक्ति एक साथ नियुक्त किये जायें तो उस क्रम में तैयार करेगा, जिस क्रम में उनके नाम उक्त नियुक्ति के आदेश में क्रमबद्ध किये गये हों। सूची को अभ्यर्थियों के संबंध में ऐसे संगत

सक्षिप्त नाम और प्रारम्भ

अधिकांशी प्रभाव

परिभाषाएँ

समूह "ग" के पदों पर दैनिक वेतन नियुक्तियों का विनियमितीकरण

अभिलेखों सहित जो उनकी उपयुक्तता को निर्धारित करने के लिये आवश्यक हो, चयन समिति के समक्ष रखा जायेगा।

(5) चयन समिति अभ्यर्थियों के मामलों पर उपनियम (4) में निर्दिष्ट उनके अभिलेखों के आधार पर विचार करेगी और यदि वह आवश्यक समझे तो उसकी उपयुक्तता निर्धारित करने के लिए अभ्यर्थियों का सक्षात्कार भी करेगी।

(6) चयन समिति चुने गये अभ्यर्थियों के नाम ज्येष्ठता क्रम में रखते हुए एक सूची तैयार करेगी और उसे नियुक्ति प्राधिकारी को अग्रसारित करेगी।

नियुक्तियाँ

5. नियुक्ति प्राधिकारी नियम 4 के उपनियम (2) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, उक्त नियम के उपनियम (6) के अधीन तैयार की गई सूची में से नियुक्तियाँ उस क्रम में करेगा, जिस क्रम में उनके नाम सूची में रखे गये हों।

नियुक्तियों को संगत सेवा विनियम आदि के अधीन किया गया समझा जायेगा।

6. इस विनियम के अधीन की गई नियुक्तियाँ संगत सेवा नियमों या आदेश के, यदि कोई हों, अधीन की गई समझी जायेगी।

ज्येष्ठता

7. (1) इस विनियम के अधीन नियुक्त कोई व्यक्ति इस विनियम के अनुसार विनियमितीकरण के लिए चयन के पश्चात् केवल नियुक्ति के आदेश के दिनांक से ज्येष्ठता का हकदार होगा और सभी मामलों में, इस विनियम के अधीन ऐसे व्यक्ति की नियुक्ति के पूर्व संगत सेवा नियमों या यथास्थिति नियमित विहित प्रक्रिया के अनुसार नियुक्त व्यक्तियों के नीचे रखा जायेगा।

(2) यदि दो या अधिक व्यक्ति एक साथ नियुक्त किये जायें तो उनकी परस्पर ज्येष्ठता नियुक्ति के आदेश में उल्लिखित क्रम में अवधारित की जायेगी।

सेवा की समाप्ति

8. ऐसे व्यक्ति की सेवा जो दैनिक वेतन के आधार पर नियुक्त किया गया हो और जो इस विनियम के अधीन विचार किये जाने के पश्चात् उपयुक्त न पाया जाये, एक माह के वेतन का भुगतान करके तत्काल समाप्त कर दी जायेगी।

एच० पी० उनियाल,
मुख्य महाप्रबन्धक।

OFFICE OF THE CHIEF GENERAL MANAGER,
UTTARANCHAL JAL SANSTHAN, DEHRADUN

October 09, 2003

No. 2963--In exercise of the powers conferred under sub-section (1) and sub-section (2) of section 97 of the clause (c) of Uttaranchal (U.P. Water Supply & Sewerage Act, 1975) Adaptation & Modification Order, 2002 with the previous approval of the State Government, the Board make the following Regulations;

THE UTTARANCHAL JAL SANSTHAN (OUTSIDE THE PURVIEW OF THE
UTTARANCHAL PUBLIC SERVICE COMMISSION)
REGULARISATION (ON GROUP 'C' POST) OF DAILY WAGES APPOINTMENT
REGULATIONS, 2003

Short title and
commencement

1. (1) These Regulations may be called 'the Uttaranchal Jal Sansthan (on Group 'C' Post) (Outside the purview of the Uttaranchal Public Service Commission) Regularisation of Daily Wages Appointment Regulations, 2003.'
(2) They shall come into force at once.

Overriding effect

2. These Regulations shall have effect notwithstanding anything to the contrary contained in any other Rules or Orders.

Definitions.

3. Unless there is anything repugnant in the subject or context:--
(a) "Appointing Authority" in relation to a Group 'C' post, means the authority empowered to make appointment on such post under the relevant service Regulations.

- (b) "Jal Sansthan" means the Uttaranchal Jal Sansthan;
- (c) "Chief General Manager" means the Chief General Manager of Uttaranchal Jal Sansthan;
- (d) "General Manager" means the General Manager of the Garhwal/Kumaon Region;
- (e) "Secretary (Administration)" means the Secretary (Administration) of Uttaranchal Jal Sansthan.

4. (1) any person who:—

- (a) was directly appointed on daily wages basis on a Group 'C' post in the Garhwal/Kumaon Jal Sansthan prior to 29th June, 1991 and continuing in service as such on the date of commencement of these Regulations; and,
- (b) Possessed requisite qualifications prescribed for regular appointment for that post at the time of such appointment on daily wages basis under the relevant Service Regulations, shall be considered for regular appointment in permanent or temporary vacancy, as may be available in the Uttaranchal Jal Sansthan in Group 'C' posts, on the date of commencement of these Regulation on the basis of his record and suitability before any regular appointment is made in such vacancy in accordance with the relevant Service Regulations or Orders.

Regularisation of daily wages appointments on Group 'C' post.

- (2) In making regular appointments under these Regulations, reservation for the candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes, Other Backward Classes and other categories shall be made in accordance with the orders of the Government in force at the time of regularisation under these Regulations.

- (3) For the purpose of sub-rule (1) the Chief General Manager of Uttaranchal Jal Sansthan shall constitute a State Level Selection Committee.

- (4) The Appointing Authority shall, having regard, to the provisions of sub-rule (1), prepare an eligibility list of the candidates, arranged in order of seniority as determined from the date of order of appointment on daily wages basis and if two or more persons were appointed together, from the order in which their names are arranged in the said appointment order. The list shall be placed before the Selection Committee along with such relevant records, pertaining to the candidates, as may be considered necessary, to assess their suitability.

- (5) The Selection Committee shall consider the cases of the candidates on the basis of their records referred to in sub-rule (4), and if it considers necessary, it may interview the candidates also.

- (6) The Selection Committee shall prepare a list of selected candidates in order of seniority and forward the same to the Appointing Authority.

- 5. The Appointing Authority shall, subject to the provisions of sub-rule (2) & (5) of Rule 4, prepare a list, and make appointments in the order in which their names stand in the list.

Appointments.

- 6. Appointments made under these Regulations shall be deemed to be appointments under the relevant services regulations or orders, if any.

Appointments be deemed to be under the relevant service regulations etc.

- 7. (1) A person appointed under these Regulations shall be entitled to seniority only from the date of order of appointment after selection for regularisation in accordance with these regulations and shall, in all cases be placed below the persons appointed in accordance with the relevant services regulations, or as the case may be, the regular prescribed procedure, prior to the appointment of such persons under these Regulations.

Seniority.

- (2) If two or more persons are appointed together, their seniority *inter-se* shall be determined in the order mentioned in the order of appointment.

- 8. The Services of a person appointed on daily wages basis who is not found suitable, after consideration under these Regulations, shall be terminated forthwith on payment of one month's pay.

Termination of Service.

H. P. UNİYAL,
Chief General Manager.

टिप्पणी-राजपत्र, दिनांक 18-10-2003, भाग 1-क में प्रकाशित।

[प्रतिलिपि सूचनार्थ प्रेषित—]

पी०एस०यू० (आर०ई०) ०२ पेयजल/४४७-०१-११-२००३-१०० (कम्प्यूटर/रीजियो)।